

सं० १८८९-कार्य/सौदेह/भा.का.नि./२००२-४०के/२००१ दिनांक : नवम्बर २०, २००२.

संस्तुतं प्रहृष्टं प्रहृष्टं प्रहृष्टं,
संस्तुतं प्रहृष्टं प्रहृष्टं प्रहृष्टं,
संस्तुतं प्रहृष्टं प्रहृष्टं प्रहृष्टं,
उत्तुतं प्रहृष्टं प्रहृष्टं प्रहृष्टं ति०.

विषय :- कंप्यूटर/तत्सम्बन्धी सामग्रियों के क्रय के सम्बन्ध में ।

प्रहोदय,

आदेश संख्या 1336-कार्य/चौदह/पाकानि/2002-40के/2001, दिनांक 26.8.2002 द्वारा कारगोरगान में कम्प्यूटर, ए.ओ.सी.डी.ओ., प्रोजेक्टर तथा तत्सम्बन्धी सामग्रियों के क्रय, आरंभ तथा सुरक्षा हेतु कम्प्यूटराङ्गेशन इकाई को अधिकृत किया गया है। कम्प्यूटराङ्गेशन इकाई द्वारा वर्तमान में उक्त के प्रस्तावित क्रय को अध्यक्ष/प्रमुख निदेशक ने स्थागित छोड़ रखने के निर्देश दिए। इस सम्बन्ध में पत्रावली प्रस्तुत करने पर उन्होंने निम्न निर्देश दिए हैं :-

In case something is ~~essen~~ deemed essential, my permission will have to be taken.

कृपया तदनुसार कार्यवाही करने का कष्ट करें ।

ਮਾਫ਼ ਕਰੋ,

॥ एतच्छां गोपिल ॥
निदेशकः ॥ ५० एवं पुशात्तनः ॥

सं १८८९६१/कार्ग/चौदह/साक्षानि/२००२-तददिनांक.

नृत्तिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं आ प्रत्यक्ष कार्यसाधक हेतु प्रेषित :-

1. तथ्यस्त निदेशावलि, 3000 पावर कार्यालयमान तले0, शासित भान, लखनऊ.
2. महापुरुषधक, कम्प्युटराइजेशन ब्यार्ड, शासित भान विस्तार, लखनऊ को उनके त्रिक 443/3000/आकाशि/मिनिध, दिनांक 11.9.2002 के तदर्थ थे।
3. वृद्ध निजी तथित, अधिवक्ता एवं वृत्तध निदेशक, शासित भान, लखनऊ.
4. निजी तथित, निदेशकाकाशिक प्रवन्धन एवं वृत्तातन, शासित भान, लखनऊ.

STG: T

उप महापुण्य कार्य।